अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस-2024

भा. कृ. अनु. प. - केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल की महिला प्रकोष्ठ ने सॉलिडरिडाड (एन जी ओ), भोपाल के साथ मिलकर "अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस-2024" के उपलक्ष्य पर दो दिवसीय कार्यक्रम (15-16 October) का सफल आयोजन किया। इसके अंर्तगत 15 अक्टूबर, 2024 को देवास जिले के गंधर्वपुरी गाँव (सोनकच्छ) में "अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस" मनाया गया, जिसमे 1500 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ. हर्षा वाकुडकर, ने अपशिष्ट से धन अर्जित करने की तकनीक, संरक्षण कृषि, प्राकृतिक खेती आदि पर ध्यान केंद्रित करते हुए पुनर्योजी कृषि के बारे में ग्रामीण महिला किसानों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि, कैसे खेती में विभिन्न प्रौद्योगिकी अपनाकर पुनर्योजी कृषि को मजबूत किया जा सकता है और स्थायी विकास के साथ-साथ महिला किसानों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिक डॉ. समलेश कुमारी ने सोयाबीन से बने उत्पाद जैसे सोया मिल्क, सोया पनीर (टोफू), सोया बिस्किट, सोया श्रीखंड और सोया अवशेषों से बने अन्य उत्पाद जैसे सोया ओकारा पकोड़ा, आदि का प्रदर्शन किया एवं सोयाबीन से घरेलू स्तरपर उत्पाद बनाने की प्रक्रिया पर चर्चा की। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को सोयाबीन से होने वाले स्वास्थ लाभों के बारे में भी अवगत कराया जिसमें डॉ. दीपिका शे. चन्ने, सहायक मुख्य तकनिकी अधिकारी ने सहयोग दिया।

अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस-2024 समारोह के अंतर्गत दूसरे दिन 16 अक्टूबर, 2024 को होटल जेह नुमा पैलेस, भोपाल में नीति बैठक का सफल आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल की ओर से महिला प्रकोष्ठ की सदस्य, वैज्ञानिक डॉ. हर्षा वाकुडकर और डॉ. दीपिका शे. चन्ने, सहायक मुख्य तकनिकी अधिकारी ने प्रतिनिधितत्व किया। इस कार्यक्रम में यूरोपीय यूनियन के तरफ से ले डेनोइस लॉरेंट ने प्रतिनिधित्व किया। इस बैठक में विभिन्न पैनलो में किसान महिलाओ के लिए नीति सलाह पर चर्चा की गई जैसे ग्रामीण विकास में महिलाओं की भूमिका को पुनर्परिभाषित करना-विशेष रूप से पुनर्योजी कृषि पर ध्यान केन्द्रित करना, कृषि आपूर्ति श्रृंखलाओं में लिंग समावेशन को आगे बढ़ाना, पुनर्योजी कृषि में लिंग संवेदनशील प्रौद्योगिकी, एवं खाद्य सुरक्षा और पोषण: स्थायी खाद्य प्रणाली में महिलाओं की भूमिका। इस बैठक में पुनर्योजी कृषि में किसान महिलाओ की भूमिका के बारे में विस्तार से चर्चा हुई, की किस तरह किसान महिलाओ के सहयोग से पुनर्योजी कृषि को बढ़ावा दिया जा सकता है। पैनल के सदस्य, डॉ संदीप मंडल (वरिष्ट वैज्ञानिक, केंद्रीय कृषि

अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल) और श्री. मेदनी प्रसाद सिंह (सहायक मुख्य तकनिकी अधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र, भोपाल) ने भविष्य में ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिये महिलाओं के अनुकूल कृषि यंत्रो के विकास पर जोर दिया। इस बैठक में विभिन्न संस्थानों जैसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि विभाग, राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान, फार्म प्रोड्यूस आर्गेनाइजर, महिला उद्योमि, महिला सरपंच, जौर्नलिस्ट, आदि से आये लोगो ने प्रतिनिधितत्व एवं चर्चा की एवं इस नीति बैठक को सफल बनाया।